शुक्रवार
22 मार्च 2024

पृष्ठ 4

गजब फायदेमंद है बैंगनी रंग की पत्ता गोभी, कैंसर से लेकर दिल की बीमारियों का खतरा करेगी कम

पृष्ठ 5

अल्लू अर्जुन से भिड़ने की तैयारी में संजय दत्त

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 55
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जैसे सूर्योदय के होते ही अंधकार दूर हो जाता है वैसे ही मन की प्रसन्नता से सारी बाधाएँ शांत हो जाती हैं।
– अमृतलाल नागर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

लोकसभा निर्वाचनः शक्ति प्रदर्शन में बॉबी पंवार ने राजनैतिक पार्टियों के उड़ाये होश

संवाददाता

देहरादून। लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने के लिए निर्दलीय प्रत्याशी बॉबी पंवार ने हुंकार भरी और शक्ति प्रदर्शन में उनके साथ आयी भीड को देखकर राजनैतिक पार्टियों के होश उड गये। बॉबी पंवार के साथ ही राष्ट्रीय उत्तराखण्ड पार्टी के प्रत्याशी नवनीत गुसांई ने भी नामांकन दाखिल किया।

आज यहां टिहरी लोकसभा से निर्दलीय प्रत्याशी बॉबी पंवार के समर्थक परेड ग्राउंड में सुबह से ही एकत्रित होने शुरू हो गये। जौनसार बावर से आयी बसें खचाखच भरी हुई थी। इसके साथ ही पहाड से भी बॉबी पंवार के समर्थन में लोग आये और उसको जिताने का दम भरा। हजारों लोगों की भीड परेड ग्राउंड में इस कदर भरी हुई थी कि वहां पर सिर्फ सिर ही सिर दिखायी दे रहे थे। भीड में युवा, बुजुर्ग व महिलाएं भी शामिल थी। इसके साथ ही पूर्व सैनिक भी इस भीड में शामिल थे। जिसके बाद बॉबी पंवार को फूलों की मालाएं पहनाकर कचहरी के लिए कूच किया गया। बॉबी पंवार के शक्ति प्रदर्शन में भीड को देखकर राजनैतिक पार्टियों सहित आम जन भी सकते में आ गये। हजारों की भीड '' देखा रे देखो कौन आया शेर आया शेर आया' 'हमारा सांसद कैसा हो बॉबी पंवार जैसा हो' की नारेबाजी करते हुए परेड ग्राउंड से दर्शनलाल चौक, दून चौक होते हुए कचहरी पहुंची। जहां पर बॉबी पंवार अपने पांच लोगों के साथ कचहरी परिसर में स्थित निर्वाचन कार्यालय पहुंचे। जहां पर उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी के सामने अपना नामांकन पत्र पेश किया और अपने समर्थकों के सामने नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पूर्व बॉबी पंवार अपने समर्थकों के साथ कचहरी परिसर स्थित शहीद स्थल पर पहुंचे जहां पर उन्होंने शहीदों को नमन कर उनको याद किया और आर्शीवाद लिया। इस दौरान उनके समर्थक कचहरी परिसर के बाहर डटे रहे और बॉबी पंवार का इंतजार करते हुए दिखायी दिये।

इसके साथ ही राष्ट्रीय उत्तराखण्ड पार्टी के प्रत्याशी नवनीत गुसांई भी अपने समर्थकों के साथ कचहरी परिसर पहुंचे और उन्होंने ने भी शहीद स्थल पहुंच शहीदों को नमन कर उनका आर्शीवाद लिया जिसके बाद वह जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष पहुंचे और अपना नामांक पत्र दाखिल किया।

हरिद्वार सीट से भाजपा प्रत्याशी त्रिवेन्द्र ने किया ऑनलाइन नामांकन

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भारतीय जनता पार्टी हरिद्वार लोकसभा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने आज डिजिटल पद्धति से अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। इस मौके पर आयोजित प्रेस वार्ता में त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का डिजिटल इंडिया का सपना अब साकार हो रहा हैं। मां गंगा की पावन भूमि से उत्तराखंड का यह पहला डिजिटल नामांकन शुरू हुआ हैं। डिजिटल नामांकन बजट फ्री हैं साथ ही समय भी बचता हैं।

लोकसभा की पांचों सीटों पर सबसे पहले प्रत्याशियों का एलान करने के बाद भाजपा ने प्रत्याशियों के नामांकन की तिथियां भी तय कर दी थी। भाजपा अल्मोड़ा लोकसभा सीट से नामांकन का श्रीगणेश करेगी। इस दिन पार्टी प्रत्याशी अजय टम्टा ने अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने का यह सिलसिला 27 मार्च तक चलेगा। हरिद्वार लोस सीट पर ऑनलाइन प्रक्रिया

की शुरुआत हुई। पार्टी प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस सीट पर 22 मार्च को पहले ऑनलाइन नामांकन किया। इसके बाद 23 मार्च को कार्यकर्ताओं की भावनाओं के अनुरूप पर्चा दाखिल करेंगे। आनलाइन नामांकन के दौरान पूर्व सांसद रमेश पोखरियाल निशंक, मदन कौशिक सहित कई लोग मौजूद रहे। वहीं 26 मार्च को गढ़वाल सीट पर पार्टी उम्मीदवार अनिल बलूनी और टिहरी सीट पर माला राज्य लक्ष्मी शाह पर्चा भरेंगी। नैनीताल संसदीय सीट पर 27 मार्च को पार्टी प्रत्याशी अजय भट्ट नामांकन करेंगे।

भूटान में भी लगे मोदी-मोदी के नारे, सड़कों पर उतरा जनसैलाब

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पड़ोस प्रथम की नीति के तहत भूटान के साथ भारत के अनूठे संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर शुक्रवार को भूटान पहुंचे। हवाई अड्डे पर भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने उनकी अगवानी की। एयरपोर्ट से लेकर देश की राजधानी तक 45 किलोमीटर नरेंद्र मोदी के स्वागत में भूटान की जनता कतार लगाकर खड़ी नजर आई। इस दौरान मोदी-मोदी के नारे भी जमकर लगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भूटान में गर्मजोशी से स्वागत के लिए आपका शुक्रिया प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे। भारत-भूटान मित्रता नयी ऊंचाइयां छूती रहे। पारो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से थिम्पू तक के 45 किलोमीटर लंबे मार्ग को भारत और भूटान के झंडों से सजाया गया था और मार्ग के दोनों ओर खड़े भूटानी लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। भूटान के प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर हिंदी में लिखा कि भूटान में आपका स्वागत है मेरे बड़े भाई।

अन्ना हजारे ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को उनके कर्मों का फल बताया

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने शुक्रवार को अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, अरविंद ने मेरे साथ काम किया था उन्होंने शराब का विरोध किया था लेकिन उन्होंने खुद शराब नीति बनाई। यह उनके कर्मों का फल है।

अरविंद केजरीवाल पर नाराजगी जताते हुए अन्ना हजारे ने उनकी गिरफ्तारी को उनके कर्मों का फल बताया और कहा, मैं इस बात से बहुत परेशान हूं कि अरविंद केजरीवाल, जो मेरे साथ काम करते थे, शराब के खिलाफ आवाज उठाते थे, अब शराब नीतियां बना रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी इसलिए हुई है। अन्ना

अरविंद ने मेरी कभी बात नहीं मानी और मुझे इस बात का दुख हैः अन्ना

हजारे ने कहा अरविंद ने मेरी कभी बात नहीं मानी और मुझे इस बात का दुख है। अन्ना हजारे ने कहा कि मैंने कई बार केजरीवाल को शराब नीति बंद करने के लिए पत्र लिखा था, मेरा शराब नीति पर पत्र लिखने का मकसद अन्याय को खत्म करना था। शराब की वजह से लोगों की हत्याओं के मामले बढ़ते हैं, महिलाओं पर अत्याचार होता है, इसकी वजह से मैंने शराब नीति को बंद करने की बात की थी, लेकिन अरविंद के दिमाग में मेरी बात नहीं आई और उन्होंने शराब नीति शुरू कर दी। आखिरकार उसी शराब नीति की वजह से उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसके आगे उन्होंने कहा कि अब अरविंद केजरीवाल और दिल्ली सरकार इस बात पर ध्यान देगी की जिन्होंने गलती की है उन्हें सजा मिलनी चाहिए। दरअसल, अरविंद केजरीवाल ने साल 2011 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना आंदोलन में शामिल हुए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

आज के लोकतंत्र का सच

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आखिरकार कल बीती रात गिरफ्तार कर ही लिया गया। देश के इतिहास में यह पहला ऐसा मामला है जब किसी मुख्यमंत्री को पद पर रहते हुए गिरफ्तार किया गया है। उनकी गिरफ्तारी की संभावना तो बहुत पहले से जताई जा रही थी क्योंकि ईडी द्वारा उन्हें गिरफ्तारी से पूर्व नौ बार सम्मन जारी किए गए थे। ईडी के इन सम्मनों के खिलाफ केजरीवाल ने इन्हें असवैधानिक बताते हुए हाईकोर्ट में केस भी फाइल कराया गया है। जिस पर सुनवाई की जा रही है लेकिन इसी बीच हाई कोर्ट द्वारा उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इन्कार किए जाने के बाद ईडी की टीम ने बीती रात उन्हें उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के बाद की गई है जिससे एक बात साफ है कि उनकी गिरफ्तारी का मकसद चुनाव को प्रभावित करने से जुड़ा हुआ है। जिस आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन के मामले में दिल्ली की केजरीवाल सरकार के कई मंत्री (मनीष सिसोदिया और संजय सिंह) कई महीनो से जेल में बंद है। उन्हें भले ही जमानत नहीं मिली हो लेकिन ईडी को उनके यहां से छापेमारी अथवा जांच में धन शोधन के कोई पुख्ता सबूत तो मिले ही नहीं है उनके पास से किसी भी तरह के धन की बरामदगी भी नहीं हुई है। अभी उनकी जमानत पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने ईडी से पूछा था कि आपने इन्हे जेल में तो डाल दिया क्या इसके कोई सबूत भी आपके पास है? जिसका कोई जवाब ईडी के पास नहीं था। आम आदमी पार्टी के नेता अभी भी यही कह रहे हैं कि यह राजनीतिक विद्वेष की कार्यवाही है ईडी के पास न कोई सबूत है न बरामदगी। एक अन्य महत्वपूर्ण बात यह है कि लोकसभा चुनाव के दौरान जब देश में चुनाव आचार संहिता लागू है तो इस कार्यवाही का मकसद क्या है? आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा दिल्ली में है, वह कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। पंजाब में उसकी सरकार और दबदबा है। ऐसे में अगर आम आदमी पार्टी के नेता चुनाव के समय जेल में होंगे तो पार्टी कैसे चुनाव लड़ पाएगी? ईडी की कार्रवाई कितनी निष्पक्ष होती है इसका प्रमाण कर्नाटक के नेता डीके शिवकुमार भी है जिन्हें ईडी ने 4 महीने से जेल में बंद कर रखा। और 4 महीने बाद निर्दोष साबित होने पर वह जेल से बाहर आ सके। यह बात पूरा देश जानता है और देश की जनता भी जान समझ रही है कि ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल सत्तारूढ़ सरकार द्वारा कैसे किया जा रहा है और उसका मकसद क्या है? अगर ईडी और सीबीआई द्वारा ऐसी निष्पक्ष कार्यवाही की जाती है तो चुनावी बांड घोटाले में उन कंपनियों के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही है जिनकी सालाना आय भी 2000 करोड़ की नहीं और चुनावी चंदा वह 2000 करोड़ दे रहे है। बीते 10 सालों में ईडी ने भाजपा के कितने नेताओं को अब तक जेल भेजा है या उनके यहां छापेमारी की है या फिर सारे भ्रष्टाचारी और अपराधी सिर्फ विपक्ष में बैठे हुए हैं। जिन्हें जेल में डालकर सरकार केंद्र में विपक्ष रहित सरकार बनाने की कोशिशों में जुटी हुई है। या फिर सत्ता में बैठे लोगों को इस बात का डर सताने लगा है कि 2024 में अगर सत्ता गई तो उनके लिए मुश्किलें बढ़ाने वाली हैं। निर्वाचन आयोग से लेकर ईडी और सीबीआई ही नहीं उन तमाम स्वायत्तता धारी संस्थाओं को भी इस बात पर विचार मंथन की जरूरत है कि वह सत्ता के संरक्षण नहीं लोकतंत्र के संरक्षण के लिए बनी है और अगर इस जिम्मेवारी को वह पूरा नहीं करेगी तो यह देश के लोकतंत्र व संविधान के साथ एक धोखा है जिसकी कीमत उन्हें भी चुकानी पड़ेगी आज नहीं तो कल।

6 विधान सभाओं के लिए ईवीएम व वीवीपेट का किया रैण्डामाइजेशन

हमारे संवाददाता टिहरी। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की उपस्थिति में आज एनआईसी कक्ष नई टिहरी में भारत निर्वाचन आयोग के सॉफ्वेयर पर विधान सभावार ईवीएम और वीवीपेट का रेण्डमली प्रथम रेण्डामाईजेशन किया गया। ईवीएम और वीवीपेट का प्रथम रैण्डामाईजेशन राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की उपस्थिति एवं वीडियोग्राफी की निगरानी में किया गया।

जनपद में 1645 बैलेट यूनिट, 1974 कन्ट्रोल यूनिट और 1708 वीवीपेट में से 77 बीयू, 77 सीयू और 77 वीवीपेट को ट्रेनिंग हेतु अलग करते हुए रेण्डामाइजेशन किया गया। जनपद के 963 पोलिंग बूथों हेतु विधानसभा वार रेश्यों वाइज बैलेट यूनिट और कन्ट्रोल यूनिट का 60 प्रतिशत तथा वीवीपेट का 65 प्रतिशत रैण्डामाइजेशन किया गया। प्रथम रैण्डामाइजेशन के बाद विधानसभागवार सूची का प्रिंटआउट निकालकर सूची में राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों सहित संबंधित अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षर किये गये और एक-एक प्रतिलिपि राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को उपलब्ध कराई गई। ईवीएम और वीवीपेट मशीनों को कड़ी पुलिस सुरक्षा और वीडियो ग्राफी की निगरानी में वेयर हॉउस से आईटीआई भवन, नई टिहरी में विधान सभावार बने स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखे जाने की कार्यवाही गतिमान है।

इस मौके पर नोडल ऑफिसर स्वीप/मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी के.के. मिश्रा, जिला संयोजक भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी भगवान सिंह राणा, मण्डल उपाध्यक्ष जयेन्द्र पंवार, अध्यक्ष युवा कांग्रेस टिहरी नवीन सेमवाल, प्रदेश सचिव बसपा सुशील पाण्डेय, पीडी डीआरडीए योगेश उपाध्याय, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र सिंह अधिकारी, एआरओ/उपजिलाधिकारी आशीमा गोयल, सोनिया पंत, अपूर्वा सिंह, देवेन्द्र नेगी, संदीप कुमार, मंजू राजपूत, जिला पूर्ति अधिकारी अरूण वर्मा आदि उपस्थित रहे।

एमडीडीए की फर्जी मोहर लगा नक्शा दिखाकर ठगे 15 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। एमडीडीए की फर्जी मोहर लगाकर नक्शा पास दिखाकर 15 लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बल्लीवाला चौक जीएमएस रोड निवासी करण दलबीर सोढी ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने प्लाट पर व्यवसायिक भवन बनाने हेतु चकराता रोड़, स्थित अर्किटेक्ट ऑफिस गया। जहां पर रोहित लोबियल एवं मोहित पंचल से बातचीत हुई। उन दोनों व्यक्तियों द्वारा स्वयं को एमडीडीए का रजिस्टर्ड आर्किटेक्ट बताया तथा कहा कि वह लोग नक्शा भी पास करवा देंगे तथा निर्माण कार्य भी कर देंगे।

रोहित और मोहित द्वारा नक्शा पास करवाने के लिये उससे 15 लाख रूपये अलग-अलग तिथियों पर प्राप्त कर भवन का एमडीडीए से स्वीकृत नक्शे की प्रति दी और मौके पर दोनों व्यक्तियों द्वारा भवन का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जो कि लगातार चलता रहा तथा मात्र 15 प्रतिशत कार्य की शेष बचा था कि एक दिन उसके नाम से एमडीडीए से नोटिस आया और 29 अगस्त 2023 को उसको दस्तावेज सहित बुलाया गया। एमडीडीए जाने पर उसको पता चला कि रोहित लोबियाल एवं मोहित पंचल द्वारा उसको दिया गया नक्शा फर्जी व कूटरचित है उनके द्वारा कोई भी नक्शा एमडीडीए से पास नही करवाया गया था और अपनी सांठ-गांठ से उसको फर्जी व कूटरचित नक्शा एमडीडीए की मोहर लगाकर दिखाते हुये उससे 15 लाख रूपये हड़प लिये।

प्रार्थी के निर्माणाधीन भवन को एमडीडीए द्वारा 30 अगस्त 2023 में अवैध बताते हुये सीज कर दिया गया जिससे उसको लगभग एक करोड़ रूपये से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नशीली गोलियों के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने नशीली गोलियों के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने मण्डी के पीछे खाली ग्राउण्ड में एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया तो वह वहां से भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 260 नशीली गोलियां बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम फिरोज पुत्र जलील अहमद निवासी नगर निगम कालोनी ब्रहमपुरी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

उत न एना पवया पवस्वाधि श्रुते श्रवाय्यस्य तीर्थे।
षष्टिं सहस्रा नैगुतो वसूनि वृक्षं न पक्वं धूनवद्रणाय।।
(ऋग्वेद ९-९७-५३)

हे परमेश्वर ! हम पर देवत्व की पवित्र धारा प्रवाहित करें। आप नकारात्मकताओं का विनाश करते हैं हमारी भी नकारात्मकताओं को दूर करें। हमारे ऊपर ऐश्वर्य सत्यधन की इस प्रकार वर्षा करें जैसे कि पके हुए फलों के वृक्ष को हिलाने पर पके फल झड़ते हैं।

ससुरालियों पर पति की सम्पत्ति हड़पने का मुकदमा दर्ज कराया

संवाददाता

देहरादून। महिला ने अपने मृत पति की सम्पत्ति का हडपने का आरोप लगाते हुए ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय पार्क एक्सटेंशन निवासी श्रीमती अतिका अरोडा ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसको विवाह 25 जनवरी 2015 को अनुराग अरोड़ा पुत्र राम प्रकाश अरोड़ा निवासी किशन नगर, देहरादून थाना कैंट के साथ सम्पन्न हुआ था, विवाह के एक साल पश्चात् वर्ष 2016 में उसका व उनके पति अनुराग अरोड़ा का वैवाहिक मतभेद उत्पन्न हो गया था तथा वर्ष 2017 में उसका पति गम्भीर बीमारी से ग्रसित हो गया था और यह गम्भीर बीमारी उसके विवाह के पूर्व से थी और उसके पति की उक्त बीमारी को उसको व उसके घरवालों से उसके ससुरालियों द्वारा छिपाकर उसका विवाह करवाया गया था, जब उक्त बीमारी से उसका पति ग्रसित हुए तो उसके एवं उसके ससुरालियों के मध्य पारिवारिक विवाद उत्पन्न हो गया, लेकिन धीरे-धीरे उसके पति का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया और 14.अक्टूबर 2019 को सर गंगा राम सिटी हॉस्पिटल में उसके पति का देहांत हो गया था, जबकि उसके साथ वैवाहिक मतभेद के दौरान उसके ससुराल वालों द्वारा उससे उसके पति की मृत्यु को छिपाया गया, क्योंकि उसके ससुरालवालें व अन्य लोग उसके पति की सम्पत्ति व चल अचल सम्पत्ति को हड़पना चाहते थे। जिस कारण उसके ससुरालवालों द्वारा सर गंगा राम सिटी हॉस्पिटल में उसके स्व. पति की एक कूटरचित व फर्जी हस्ताक्षर कर 08 अक्टूबर 2019 को एक फर्जी वसीयत तैयार की गयी और उक्त फर्जी वसीयत के मार्फत समस्त अधिकार उसके ससुर राम प्रकाश अरोड़ा व रागनी अरोड़ा निवासी किशन नगर, देहरादून थाना-कैन्ट नें मीनू अग्रवाल व जूही अग्रवाल के साथ मिलीभगत करके कोरे कागज पर फर्जी हस्ताक्षर कर एक कूटरचित वसीयत अकित कर ली, जिसका ज्ञान उसको न्यायालय में योजित उत्तराधिकारी प्रार्थनपत्र, जो कि राम प्रकाश अरोड़ा व रागनी अरोड़ा द्वारा प्रस्तत किया, जिसका संज्ञान उसको उक्त वाद के नोटिस प्राप्त होने पर हुआ, जिसमें उपरोक्त व्यक्तिगणों द्वारा उसके स्व. पति की चल-अचल सम्पत्तियों को फर्जी व कूटरचित वसीयत 08 अक्टूबर 2019 के माध्यम से हड़पना चाहते हैं तथा उक्त फर्जी कूटरचित दस्तावेज से अपने को अनुचित लाभ पहुंचाना चाहते हैं। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आत्म निर्भरता के बावजूद!

हाल के दशकों में रक्षा उत्पादन क्षेत्र के निजीकरण का खूब प्रचार हुआ है। अनेक बड़े उद्योगपतियों ने इस क्षेत्र में कदम रखा है। मगर हकीकत यह है कि हथियारों के मामले में विदेशी कंपनियों पर भारत की निर्भरता बनी हुई है। भारत में जारी जोरदार चर्चा एक यह है कि भारत ना सिर्फ हथियारों के मामले में आत्म-निर्भरता की दिशा में बढ़ा है, बल्कि अब वह महत्त्वपूर्ण अस्त्रों का निर्यात भी कर रहा है।

अक्सर सरकार की तरफ से ऐसे आंकड़े जारी किए जाते हैं, जिनको लेकर भारत से हथियारों से बढ़ते निर्यात के बारे में मोटी सुर्खियां बनती हैं। तो यह सवाल अहम हो जाता है कि 2019 से 2013 के दौरान उसके पहले की पांच साल की अवधि (2014-18) की तुलना में हथियारों के भारत के अपने आयात में 4.7 फीसदी इजाफा कैसे हो गया? स्वीडन की संस्था स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) ने इस बार की अपनी रिपोर्ट में हथियारों के कारोबार के पांच साल के ट्रेंड पर रोशनी डाली है। इससे सामने आया है कि 2019-23 की अवधि में भारत दुनिया में हथियारों का सबसे बड़ा आयातक बना रहा। गौरतलब है कि पिछले एक फरवरी को 2024-25 के लिए पेश भारत के अंतरिम बजट में रक्षा मंत्रालय को 6.2 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया। इसमें पूंजीगत निवेश- यानी नई खरीदारियों के लिए 1.72 लाख करोड़ रुपये रखे गए हैं।

यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 5.78 प्रतिशत ज्यादा है। वैसे अगर मुद्रास्फीति को ध्यान में रखें, तो ये बढ़ोतरी मामूली ही मालूम पड़ेगी। अब प्रश्न है कि क्या देश में ऐसी रक्षा कंपनियां हैं, जो भारतीय सेना की जरूरतों के लायक हथियार, युद्ध उपकरण और गोला-बारूद की बिक्री कर पाएं? हाल के दशकों में रक्षा उत्पादन क्षेत्र के निजीकरण का खूब प्रचार हुआ है। अनेक बड़े उद्योगपतियों ने इस क्षेत्र में कदम रखा है। मगर हकीकत यह है कि हथियारों के मामले में विदेशी कंपनियों पर भारत की निर्भरता बनी हुई है। ऐसे में अधिक-से-अधिक यही कहा जा सकता है कि रक्षा उत्पादन के मामले में भारतीय रक्षा उद्योग को अभी लंबा सफर तय करना होगा। फिलहाल इस बारे में एक दो टूक आकलन की जरूरत है। आत्म-निर्भरता अच्छी नीति है। लेकिन इसको लेकर देश में निराधार सुखबोध बनाने का कोई लाभ नहीं होगा। आवश्यकता यह है कि आत्म-निर्भर बनने के लिए संकल्पबद्ध और पारदर्शी कदम उठाए जाएं। (आरएनएस)

विवादित नेताओं की फिर कटी टिकट

भाजपा में विवादित नेताओं की टिकट कटने का सिलसिला जारी है। पार्टी ने पहली सूची में कई विवादित नेताओं को बेटिकट किया है। अक्सर अपने बयानों से विवादों में रही भोपाल की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर को इस बार पार्टी ने टिकट नहीं दिया है तो संसद के अंदर बसपा सांसद दानिश अली पर विवादित बयान देने वाले रमेश विधूड़ी को भी टिकट नहीं मिली। यह सिलसिला दूसरी सूची में भी जारी रही। भाजपा ने 72 उम्मीदवारों की दूसरी सूची में कर्नाटक के दो ऐसे सांसदों की टिकट काटी है, जो पिछले कुछ दिनों से किसी न किसी कारण से विवादों में घिरे रहे थे और उनकी वजह से पार्टी को बैकफुट पर आना पड़ा।

भाजपा ने इस बार कर्नाटक से अपने सांसद प्रताप सिम्हा की टिकट काट दी। पिछले दिनों वे इस बात को लेकर विवाद में आए थे कि उनकी सिफारिश पर कुछ लोगों का सांसद का पास बना था, जिन्होंने संसद भवन के अंदर विरोध प्रदर्शन किया। दो लोगों ने तो संसद की दर्शक दीर्घा से सदन के अंदर छलांग लगा दी थी और धुआं छोड़ा था। बाद में इनको गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है कि इस सिलसिले में प्रताप सिम्हा पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी तरह लोकसभा चुनाव में 370 सीटें जीत कर संविधान बदलने का बयान देने वाले भाजपा सांसद अनंद हेगड़े की टिकट भी कट गई है। उनके इस बयान पर भाजपा ने बहुत नाराजगी जताई थी और कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था।(आरएनएस)

भाजपा के सहयोगियों को खास सुरक्षा

भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने खुले हाथ से सुरक्षा बांटी है। देश के हर हिस्से में बड़ी संख्या में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जिनको वाई या जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली है। अगर नेता भाजपा की सहयोगी पार्टी का है तो उसको सुरक्षा मिलने की संभावन ज्यादा रहती है।

भाजपा के प्रत्यक्ष या परोक्ष सहयोगियों को अलग अलग श्रेणियों की सुरक्षा मिली हुई है। भाजपा ने अपने नेताओं को भी सुरक्षा देकर उनका कद बढ़ाया है। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद तो भाजपा ने पश्चिम बंगाल में जीते अपने सभी 75 विधायकों को केंद्रीय सुरक्षा बलों की सुरक्षा मुहैया करा दी थी।

इसी तरह महाराष्ट्र में शिव सेना और एनसीपी टूटने के बाद कई नेताओं को सुरक्षा दी गई। हाल में दो नेताओं को मिली सुरक्षा चर्चा का विषय है। भाजपा की सहयोगी और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल को जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। केंद्रीय मंत्रियों को मिलने वाली सुरक्षा उनको पहले से मिली थी लेकिन उसे अपग्रेड किया गया है। बताया जा रहा है कि इस बार लोकसभा चुनाव में वे दो की बजाय तीन सीट मांग रही थीं।

दूसरी दिलचस्प बात यह है कि बहुजन समाज पार्टी की नेता मायावती के भतीजे आकाश आनंद को भी वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। पिछले ही दिनों मायावती ने उनको अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है और साथ ही विपक्ष की पार्टियों के साथ तालमेल नहीं करने का ऐलान भी किया। (आरएनएस)

पांचवा सरस्वती साधना सम्मान कार्यक्रम 23 को

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्र सांस्कृतिक सामाजिक संस्था कलाश्रय के अध्यक्ष हिमांशू दरमोड़ा ने बताया कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक सामाजिक संस्था कलाश्रय द्वारा पाँचवें "सरस्वती साधना सम्मान "कार्यक्रम का आयोजन 23 मार्च आईआरडीटी सभागार सर्वे चौक पर सांयकाल चार बजे से किया जा रहा है।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में उक्त जानकारी देते हुए राष्ट्र सांस्कृतिक सामाजिक संस्था कलाश्रय के अध्यक्ष हिमांशू दरमोड़ा ने बताया कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक सामाजिक संस्था कलाश्रय द्वारा पाँचवें "सरस्वती साधना सम्मान "कार्यक्रम का आयोजन 23 मार्च आईआरडीटी सभागार सर्वे चौक पर सांयकाल चार बजे से किया जा रहा है।इस कार्यक्रम में देश के प्रख्यात लोककला,साहित्य,संगीत, शिक्षण एवं सामाजिक क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले महानुभावों को यह सम्मान प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यह सम्मान पाने वालों में मुख्यत: प्रख्यात गीतकार प्रसून जोशी, पद्मविभूषण ड़ा सोनल मानसिंह, डा. ड़ी आर पुरोहित, मंजु नारायण, ड़ा योगी एरोन, रुचिरा केदार, असगर हुसैन, स्मिता बहुगुणा हैं जिनको यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा सांगितिक प्रस्तुतियां भी होगी। दरमोड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल व कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सूर्यकांत धसमाना करेंगे एवं वरिष्ठ आईएएस भास्कर खुलबे बतौर अतिथि आमंत्रित हैं। इस अवसर पर कलाश्रय संस्था के संरक्षक प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि कलाश्रय समामाजिक व सांस्कृतिक संस्था जिस प्रकार से देहरादून व उत्तराखंड में शास्त्रीय संगीत नृत्य व कला को प्रोत्साहित करने व युवाओं के बीच उसे प्रचारित प्रसारित करने के प्रयास करती है वो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से कलाश्रय संस्था के द्वारा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शास्त्रीय संगीत व नृत्य के कलाकारों को देहरादून में आमंत्रित कर कार्यक्रमों में उनकी लाइव प्रस्तुतियां करवा कर शास्त्रीय संगीत व नृत्य के श्रोताओं व दर्शकों को उनसे रूबरू करवाया जो बहुत प्रशंसा का विषय है और इस बार प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गीतकार प्रसुन्न जोशी व अन्य लोगों को बुला कर सम्मानित करने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर संस्था कार्यकारिणी सदस्य राम चक्रवर्ती, श्लोक गेरा एवं पीयूष निगम ने सभी को इस विशेष कार्यक्रम में आमंत्रित किया है।

विशेष तौर पर युवा पीढ़ी को ऐसे कार्यक्रमों में आने का खुला निमंत्रण दिया है जो आने वाले समय में हमारी देश की पारम्परिक धरोहर एवं संस्कृति को आगे लेकर जाएंगे।

बैंक से निकले व्यक्ति से लूटे दस हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल सवार बदमाशों ने बैंक से निकले व्यक्ति के हाथ से दस हजार रूपये से भरा बैग लूट लिया। पुलिस ने बदमाशों की तलाश में सघन चैकिंग अभियान चलाया लेकिन कोई सफलता नहीं मिल सकी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मेंदनी पुर बद्रीपुर निवासी कुटीराम सहारनपुर रोड स्थित स्टेट बैंक की शाखा से रूपये निकालने के लिए गया था। दोपहर पौने एक बजे जब वह बैंक से रूपये निकालकर बाहर आया और अपने घर की तरफ जा रहा था थोडी दूरी पर ही मोटरसाईकिल पर सवार दो व्यक्ति उसके पास आये और उसको धक्का देकर उसके हाथ से बैग लूटकर वहां से फरार हो गये। कुटीराम ने शोर मचाया लेकिन तब तक बदमाश आंखों से ओझल हो गये। दिन दहाडे हुई लूट की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हडकम्प मच गया और आनन फानन में विकासनगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और पूरी घटना की जानकारी लेने के बाद पुलिस ने बदमाशों की तलाश में सघन चैकिंग अभियान चलाया लेकिन कोई सफलता नहीं मिल सकी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

तमंचा व चोरी की बाइक सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंह नगर। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से एक तमंचा मय कारतूस व चोरी की बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह दिनेशपुर थाना पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को रामबाग पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार एक संदिग्ध आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा मय कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम विक्की सरकार पुत्र रितु सरकार निवासी वार्ड नंबर 9 दिनेशपुर बताया। बाइक के सम्बन्ध में जानकारी जुटाने पर पता चला कि उक्त बाइक चोरी की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

विदेशी यात्री की जानकारी न देने पर होटल संचालक पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। कोकीन के साथ पकडी गयी विदेशी यात्री की जानकारी पुलिस व खुफिया विभाग को ना देने पर पुलिस ने होटल मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 मार्च को थाना राजपुर जनपद-देहरादून पुलिस द्वारा दो भारतीयों सहित एक युगांडा राष्ट्र की सान्या डेन्हा धारक पासपोर्ट को 16.35 ग्राम कोकीन के साथ गिरफ्तार किया गया था। जिसके सम्बन्ध में थाना राजपुर देहरादून में धारा अर्न्तगत 21,27,29,60 व 8 स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। विदेशी राष्ट्रिका उपरोक्त द्वारा दर्ज मुकदमें की जांच उपनिरीक्षक शोएब अली को पुछताछ के दौरान बताया गया कि वह 06 मार्च 2024 से त्यागी रोड देहरादून स्थित होटल में निवास कर रही थी। जिसकी सूचना जांच अधिकारी उपरोक्त द्वारा एलआईयू के दरोगा प्रेमचन्दको दी गयी जिसके उपरान्त प्रेमचन्द द्वारा उपरोक्त विदेशी महिला से पूछताछ की गयी तो उसके द्वारा बताया गया कि वह 06 मार्च 2024 से त्यागी रोड के होटल में निवास कर रही थी।

होटल संचालक कुलदीप आहूजा द्वारा उक्त विदेशी नागरिका के होटल में निवास के सम्बन्ध में सूचना विदेशी पंजीकरण कार्यालय को उपलब्ध नहीं करायी गयी है। फोरिजनल एक्ट 1946 की धारा 07 व भारत सरकार के गजट नोटिफिकेशन के अनुसार विदशी नागरिकों के आगमन / ठहरने कि सूचना 24 घंटे के भीतर विदेशी पंजीकरण कार्यालय को देना अनिवार्य है। विदेशी नागरिक के निवास की सूचना छुपाये जाने के कारण होटल संचालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नीतीश नहीं बचा सके अपने सहयोगी को

बिहार में भाजपा ने अपनी ताकत दिखाई है। उसने जब नीतीश कुमार की वापसी कराई थी तब उनको मुख्यमंत्री तो बना दिया था लेकिन उसी समय साफ कर दिया था कि उनकी वजह से भाजपा अपने किसी पुराने सहयोगी को बाहर नहीं करेगी। लोकसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को लेकर जो शुरुआती सहमति बनी है उससे साफ हो गया है कि भाजपा ने अपने पुराने सहयोगियों को तो बचा लिया लेकिन जिनके प्रति नीतीश कुमार का सद्भाव था या जो नीतीश के करीबी माने जाते थे उनको नुकसान हो गया।

2020 के विधानसभा चुनाव में चुन चुन कर नीतीश के उम्मीदवार के खिलाफ अपने प्रत्याशी उतारने और जदयू को हराने वाले चिराग पासवान इस खेल में बड़े विनर बन कर उभरे हैं। भाजपा ने उनकी शर्तें मान कर उनके हिसाब से टिकट दी है। लेकिन उनके चाचा पशुपति पारस, जिनको नीतीश का करीबी माना जाता था वे पूरी तरह से हाशिए में चले गए हैं।

गौरतलब है कि 2020 के विधानसभा चुनाव में हुए नुकसान का बदला लेने के लिए नीतीश कुमार ने पशुपति पारस को आगे करके लोक जनशक्ति पार्टी में विभाजन कराया था। तब पार्टी के छह में से पांच सांसद पारस के साथ चले गए थे और चिराग अकेले बच गए थे। उस समय नीतीश भाजपा के साथ थे और उनके कहने पर भाजपा ने लोकसभा में न सिर्फ पारस गुट को मान्यता दिलवाई, बल्कि उनको केंद्र सरकार में मंत्री बनाया।

इतना ही नहीं भाजपा की सरकार ने चिराग से उनके पिता की जनपथ स्थित कोठी भी खाली कराई। लेकिन अब जब मौका आया है, तब एक सीट वाले चिराग को पांच सीटें मिल रही हैं और पांच सांसदों वाले केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस को एक भी सीट नहीं मिल रही है। माना जा रहा था कि नीतीश कुमार उनका पक्ष लेंगे और उनका भी सम्मानजनक समझौता करा देंगे लेकिन ऐसा लग रहा है कि नीतीश ने भी पल्ला झाड़ लिया है। अब भाजपा की ही कृपा से उनको एक सीट मिल जाए तो ठीक नहीं तो उनको राजद और कांग्रेस के साथ बात करनी होगी। (आरएनएस)

कितने पूर्व सीएम सांसद बनेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 370 सीट जीतने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भाजपा इस बार पूरे देश में मजबूत नेताओं को चुनाव लड़ा रही है। प्रदेश की राजनीति में ही सक्रिय रहे नेताओं और पूर्व मुख्यमंत्रियों को लोकसभा की टिकट दी गई है। आमतौर पर पूर्व मुख्यमंत्री सांसद बनते हैं और उनकी पार्टी की केंद्र में सरकार बनती है तो वे मंत्री भी बनते हैं।

बहरहाल, भाजपा ने अभी तक 267 उम्मीदवारों की घोषणा की है, जिसमें उसने आधा दर्जन पूर्व मुख्यमंत्रियों को मैदान में उतारा है। हालांकि दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की टिकट भी कटी है लेकिन उनके बारे में पहले से अंदाजा था। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा को इस बार टिकट नहीं मिली है।

पिछली बार चुनाव जीते पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा को फिर से झारखंड से टिकट दी गई है। हालांकि पिछली बार वे बहुत मामूली अंतर से चुनाव जीते थे। असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल राज्यसभा सांसद हैं। इस बार पार्टी ने उनको लोकसभा चुनाव में उतारा है। ये दोनों पूर्व मुख्यमंत्री केंद्र सरकार में मंत्री हैं। इनके अलावा पांच और पूर्व मुख्यमंत्रियों को टिकट दी गई है। राज्यसभा सांसद और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब को पार्टी ने टिकट दिया है।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी इस बार चुनाव लड़ रहे हैं तो हरियाणा के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के दो दिन बाद ही मनोहर लाल खट्टर के नाम का भी ऐलान हो गया। उधर कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को भी पार्टी ने चुनाव में उतारा है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री रहे त्रिवेंद्र सिंह रावत को भी इस बार लोकसभा की टिकट मिली है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गजब फायदेमंद है बैंगनी रंग की पत्ता गोभी, कैंसर से लेकर दिल की बीमारियों का खतरा करेगी कम

सब्जियां सेहत के लिए जबरदस्त फायदेमंद होती हैं। इन्हें खाने से शरीर को भरपूर प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन और फाइबर जैसे पोषक तत्व मिल जाते हैं। इनके सेवन से अनगिनत फायदे भी होते हैं। सबसे ज्यादा फायदे वाली सब्जी में करेला, पालक या ब्रोकोली का नाम आता है लेकिन बैगनी रंग की पत्तागोभी में भी कई गुण पाए जाते हैं। इसलिए इसे पावरफुल सब्जियों में रखा जाता है। अभी तक आपने हरे रंग की पत्ता गोभी खाया होगा लेकिन बैंगनी पत्तागोभी काफी ज्यादा फायदे वाला है। इसमें जरूरी विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट भर-भरकर पाए जाते हैं। इनके सेवन से शरीर को कई फायदे होते हैं। आइए जानते हैं बैंगनी पत्तागोभी खाने से शरीर को कितना लाभ मिलता है।

बैंगनी पत्तागोभी के फायदे

हार्ट डिजीज और कैंसर का खतरा कम करे

बैंगनी पत्तागोभी में एंथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर में हानिकारक फ्री रेडिकल्स को बेअसर कर ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने का काम करते हैं। इससे कैंसर और हार्ट की बीमारियों का खतरा कम होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जिससे शरीर का सूजन कम होता है और गठिया, अस्थमा जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद

बैंगनी पत्तागोभी में फ्लेवोनोइड्स और पॉलीफेनोल्स जैसे कंपाउंड पाए जाते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम कर ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाते हैं और ब्लड प्रेशर की समस्या को कम कर दिल की सेहत को दुरुस्त रखने का काम करते हैं।

इम्यूनिटी बूस्टर और पाचन के लिए बेहतर

बैंगनी पत्तागोभी विटामिन सी से भरपूर होती है। ये सफेद रक्त कोशिकाओं और एंटीबॉडी का उत्पादन बढ़ाकर इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने का काम करती है। इससे शरीर संक्रमण और बीमारियों से बचती है। फाइबर का बढि?ा सोर्स होने से बैंगनी पत्तागोभी पाचन को भी बेहतर बनाने के काम आते हैं।

वजन कंट्रोल करे

बैंगनी पत्तागोभी में कैलोरी, फैट कम और फाइबर ज्यादा पाए जाते हैं, जो वजन को कम कर पाचन को बेहतर बनाते हैं। इनके सेवन से भूख अच्छी लगती है। इनमें सल्फर यौगिक पाए जाते हैं, जो लिवर के कार्य करने की क्षमता को अच्छा करने का काम करते हैं। इसके सेवन से शरीर से विषाक्त पदार्थ आसानी से बाहर निकल जाते हैं।

हड्डियां होती हैं मजबूत

बैंगनी गोभी में कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे जरूरी खनिज पाए जाते हैं, जो हड्डियों को मजबूत और हेल्दी बनाने का काम करते हैं। बैंगनी पत्तागोभी का अगर नियमित तौर पर सेवन किया जाए तो ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने और हड्डियों के घनत्व में सुधार होती है।

शब्द सामर्थ्य -110

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

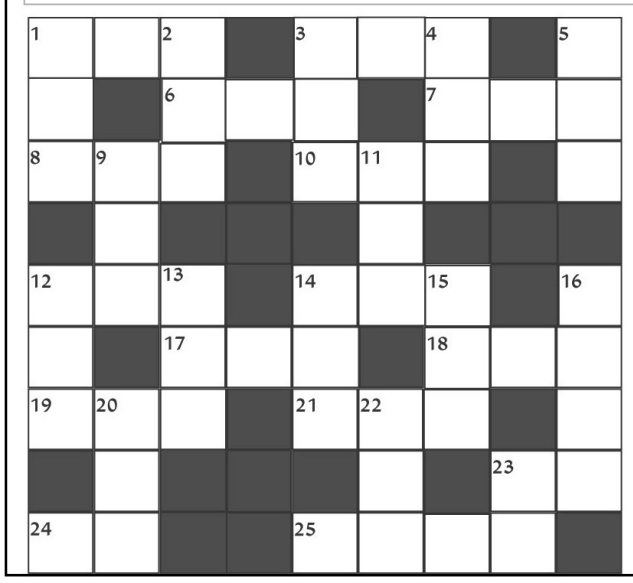

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 109 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

खूब जमी कृति सैनन, करीना कपूर और तब्बू की मजेदार तिकड़ी

पिछले काफी समय से फिल्म क्रू चर्चा में है। करीना कपूर, कृति सैनन और तब्बू की तिकड़ी पहली बार इस फिल्म के जरिए दर्शकों के बीच आने वाली है और यही वजह है कि फिल्म को लेकर दर्शक कुछ ज्यादा ही उत्साहित हैं, वहीं पोस्टर और टीजर सामने आने के बाद इसे लेकर दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया था।अब इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है, जिसमें तीनों ही अभिनेत्रियों का अंदाज देखने लायक है।

ट्रेलर में जिस तरह से कृति, करीना और तब्बू की एंट्री होती है, उससे तो यही लग रहा है कि ये तिकड़ी बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाली है।ट्रेलर से यह साफ हो गया है कि करीना, कृति और तब्बू तीनों ही अपने अभिनय और कॉमेडी से दर्शकों को अपना मुरीद बनाने वाली हैं। यह संगीत, कॉमेडी और मनोरंजन का एक बढि?ा डोज है।इसमें दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा भी अहम किरदार निभाते दिख रहे हैं।

ट्रेलर देख एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, अरे वाह! ये तो हेरा फेरी का फीमेल वर्जन है। एक ने लिखा, पर्दे पर आग तो अब लगेगी। एक ने लिखा, 3 खूबसूरत हसीनाएं एकसाथ। धमाका तो तय है।हालांकि ज्यादातर लोगों ने करीना की कॉमिक टाइमिंग की तारीफ की है।एक ने लिखा, सबसे पहले तो आप तीनों ही जबरदस्त हैं और दूसरा फिल्म का कान्सेप्ट शानदार लग रहा है, इसलिए बस अब और इंतजार नहीं कर सकते।

क्रू का निर्देशन राजेश कृष्णन ने किया है। एकता कपूर और रिया कपूर इसकी निर्माता हैं। पहले यह फिल्म 22 मार्च को आने वाली थी। बाद में इसे एक हफ्ता आगे बढ़ा दिया गया। अब यह फिल्म 29 मार्च को सिनेमाघरों का रुख करेगी।बता दें कि रिया, एकता और करीना पहले भी साथ काम कर चुकी हैं। तीनों फिल्म वीरे दी वेडिंग के लिए साथ आए थे। इस फिल्म में 4 महिलाओं की दोस्ती और मस्ती दिखाई गई थी।

करीना जल्द ही निर्देशक रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम 3 में नजर आएंगी। वीरे दी वेडिंग 2 से भी उनका नाम जुड़ रहा है। हालांकि, अभी इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।उधर कृति फिल्म दो पत्ती में नजर आएंगी। यह बतौर निर्माता उनकी पहली फिल्म है।उधर तब्बू को फिल्म औरों में कहां दम था में देखा जाएगा। इसके जरिए एक बार फिर उन्हें अजय देवगन का साथ मिला है।

बॉक्स ऑफिस पर यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 का संघर्ष जारी

यामी गौतम स्टारर फिल्म आर्टिकल 370 पिछले महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। शुरुआती दिनों में फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया, लेकिन अब फिल्म धीमी गति से आगे बढ़ रही है। इसकी वजह हालिया फिल्में शैतान और योद्धा हैं।

आदित्य सुहास जंभाले के निर्देशन में बनी आर्टिकल 370 22 फरवरी को थिएटर्स में आई थी। 17 दिन तक फिल्म ने अच्छा कारोबार किया, लेकिन 8 मार्च को आई शैतान ने यामी गौतम की फिल्म का खेल बिगाड़ दिया। अजय देवगन स्टारर फिल्म की वजह से तो यामी गौतम की फिल्म कम कमा ही रही थी, अब मार्केट में योद्धा भी आ गया है। ऐसे में आर्टिकल 370 की हालत और भी खराब हो गई है।

आदित्य सुहास जंभाले के निर्देशन में बनी आर्टिकल 370 22 फरवरी को थिएटर्स में आई थी। 17 दिन तक फिल्म ने अच्छा कारोबार किया, लेकिन 8 मार्च को आई शैतान ने यामी गौतम की फिल्म का खेल बिगाड़ दिया। अजय देवगन स्टारर फिल्म की वजह से तो यामी गौतम की फिल्म कम कमा ही रही थी, अब मार्केट में योद्धा भी आ गया है। ऐसे में आर्टिकल 370 की हालत और भी खराब हो गई है।

आदित्य धर निर्मित आर्टिकल 370 जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 हटाए जाने पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए सरकार ने गुपचुप तरीके से आर्टिकल 370 को हटाने की योजना बनाई थी और फिर 2019 में इसे लागू किया था। इस फिल्म पर विवाद भी हुआ, लेकिन कमाई पर खास असर नहीं रहा था। फिल्म में प्रियमणि, यामी गौतम और अरुण गोविल ने मुख्य भूमिका निभाई है।

अल्लू अर्जुन से भिड़ने की तैयारी में संजय दत्त

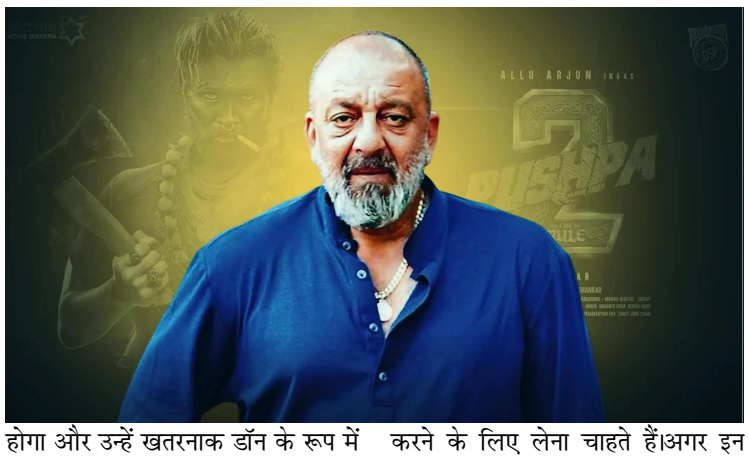

अपने जमाने के बेहतरीन अभिनेताओं में गिने जाने वाले संजय दत्त अब दक्षिण भारतीय सिनेमा में धमाल मचा रहे हैं। केजीएफ चैप्टर 2 में खलनायक बनकर सबके छक्के छुड़ाने वाले संजय ने साउथ में धमाकेदार शुरुआत की थी। इसके बाद वह एक के बाद एक फिल्म से जुड़ते दिखाई दे रहे हैं।अब ऐसी खबर आ रही है, जिसे सुनकर उनके प्रशंसक खुशी से झूम उठेंगे। दरअसल, ताजा खबर के अनुसार अब संजय पुष्पा 2 से भी जुड़ गए हैं।

पुष्पा द रूल इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म लगातार सुर्खियों में बनी हुई है और अब निर्माता इसे और भी दिलचस्प और रोमांचक बनाने की योजना बना रहे हैं।कथित तौर पर, निर्माता अब अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म में संजय को कास्ट करने की योजना बना रहे हैं।सियासत की एक रिपोर्ट की मानें तो पुष्पा 2 में संजय एक मेहमान भूमिका निभा सकते हैं।

कथित तौर पर, संजय सुकुमार निर्देशित इस फिल्म में एक प्रभावशाली व्यक्ति की भूमिका निभा सकते हैं, जो कहानी को एक नया मोड़ देगा।इसके अलावा, यह भी दावा किया गया है कि अभिनेता का किरदार बहुत शक्तिशाली होगा और उन्हें खतरनाक डॉन के रूप में स्क्रीन पर पेश किया जाएगा।हालांकि, यह भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि अभी यह सिर्फ अटकलें हैं और इसके बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इससे पहले दर्शकों ने संजय को यश की केजीएफ 2 में अधीरा की भूमिका निभाते देखा था, जिसके लिए उनकी काफी प्रशंसा हुई थी। इसके अलावा, संजय पिछले साल रिलीज हुई थलापति विजय की लियो में एंटनी दास के रूप में भी दिखाई दिए थे। हालिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि जाह्नवी कपूर भी पुष्पा 2 में नजर आ सकती हैं।ओटीटीप्ले की रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता जाह्नवी को पुष्पा 2- द रूल में एक डांस नंबर करने के लिए लेना चाहते हैं।अगर इन खबरों में सच्चाई हुई तो पुष्पा 2 अभिनेत्री की पहली तेलुगु फिल्म बन जाएगी।बता दें, पुष्पा- द राइज में सामंथा रुथ प्रभु ने ऊ अंटावा पर डांस कर दर्शकों का दिल जीता था। साल 2021 में रिलीज हुई पुष्पा- द राइज़ ब्लॉकबस्टर होने के बाद निर्माताओं ने इसके दूसरे भाग का ऐलान कर दिया था। दर्शक तभी से पुष्पा 2 की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।अल्लू और रश्मिका मंदाना अभिनीत इस फिल्म की शूटिंग चल रही है। बता दें, नवंबर 2023 में अभिनेता का स्वास्थय बिगडने के कारण फिल्म की शूटिंग रोक दी गई थी। हालांकि, अब फिर शुरू हो चुकी है। *पुष्पा 2* 15 अगस्त, 2024 को रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिस पर बरकरार है शैतान का जलवा

बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन और आर माधवन की सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म 'शैतान' का जलवा बरकरार है. हर दिन देशभर में ये फिल्म छप्परफाड़ कमाई कर रही है. देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी 'शैतान' का जमकर डंका बज रहा है. दुनियाभर में ये फिल्म बहुत पसंद की जा रही है. अजय देवगन की 'शैतान' घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ क्लब के बेहद करीब पहुंच चुकी है. जानिए 9वें दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितने करोड़ छाप डाले हैं.

'शैतान' ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर अपना कब्जा कर लिया था. पहले दिन मूवी का खाता 14.75 करोड़ रुपये से खुला था. इसके बाद फिल्म ने दूसरे दिन 18.75 करोड़, तीसरे दिन 20.5 करोड़, चौथे दिन 7.25 करोड़, पांचवें दिन 6.5 करोड़, छठवें दिन 6.25 करोड़ और सातवें दिन 5.75 करोड़ और 8वें दिन 4.50 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. अब इसके 9वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े सामने आ गए हैं.

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन और आर माधवन की 'शैतान' ने दूसरे शनिवार को 8 करोड़ रुपये की कमाई की है. हालांकि, ये अर्ली एस्टीमेट है. ऑफिशियल डेटा आने के बाद कलेक्शन में थोड़ा-बहुत बदलाव हो सकता है. 'शैतान' पिछले 9 दिनों में देशभर में टोटल 92.80 करोड़ का बिजनेस कर चुकी है. इस तरह मूवी 100 करोड़ क्लब के बेहद करीब पहुंच चुकी है.

अजय देवगन और आर माधवन की 'शैतान' का जादू विदेशों में भी देखने को मिल रहा है. वर्ल्डवाइड कमाई की बात करें तो कुछ दिनों पहले ही 'शैतान' ने 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर लिया था. अब तक फिल्म की टोटल कमाई 125.02 करोड़ रुपये हो चुकी है.

बताते चलें कि 'शैतान' गुजराती फिल्म 'वश' का हिंदी रीमेक है.

फतेह : दुश्मनों का सफाया करते दिखे सोनू सूद

बॉलीवुड के रियल हीरो सोनू सूद की मोस्ट अवेटेड फिल्म फतेह का टीजर रिलीज हो गया है। फतेह के टीजर से पता चलता है कि सोनू सूद अपनी इस फिल्म में कितना खौफनाक रोल करने जा रहे हैं। इस फिल्म को खुद सोनू सूद ने डायरेक्ट किया है। एक्टर ने फिल्म से एक पोस्टर रिलीज कर टीजर की रिलीज डेट का खुलासा किया था। अब सोनू ने देर ना करते हुए टीजर रिलीज कर दिया है। इस फिल्म में सोनू सूद के साथ एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस भी नजर आ रहीं हैं।

सोनू सूद की एक्शन ड्रामा फिल्म फतेह का 1।40 मिनट का टीजर बेहद खौफनाक है। इसकी शुरुआत इस वॉयस ओवर से होती है कि, फतेह तुमनें 40।।। इतने में फतेह के रोल में दिख रहे सोनू सूद ने बोलते हैं।।40 नहीं 5० ।।। इसके बाद सोनू सूद एक-एक कर बदमाशों को शूट करते दिख रहे हैं। टीजर के साथ-साथ सोनू ने बताया है कि फिल्म साल 2024 में ही रिलीज होगी, लेकिन इसकी

रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया है।

बता दें, सोनू सूद अपनी फिल्म फतेह के सेट से अब कई तस्वीरें शेयर कर चुके हैं। इन तस्वीरों को शेयर कर सोनू सूद ने कैप्शन में लिखा था फतेह मेरे लिए स्पेशल और निजी फिल्म रही है। यह उन युथ को श्रद्धांजलि है जो कई तरह से साइबर क्राइम का शिकार हो चुके हैं।।तैयार हो जाइए।

सोनू सूद के संग फिल्म में जैकलीन फर्नांडिज लीड रोल में होगीं। साइबर क्राइम की रियल लाइफ स्टोरीज पर बनी इस फिल्म की शूटिंग बहुत पहले ही पूरी हो चुकी है। एक्टर ने जैसे ही सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कीं तो फैंस ने झमाझम लाइक्स और कमेंट्स की बात कर दी थी।

एक फैन ने लिखा था, आपकी फिल्म के लिए हम एक्साइटेड हैं और ज्यादा इंतजार नहीं कर सकते। फतेह में सोनू सूद और जैकलीन फर्नांडिज के साथ ही शिवज्योति राजपूत, विजय राज के साथ ही अन्य एक्टर्स भी अहम रोल में नजर आने वाले हैं।

भाजपा के दक्कन अभियान की चुनौतियां

अजीत द्विवेदी

भौगोलिक रूप से हिमालय की चढ़ाई मुश्किल मानी जाती है लेकिन राजनीतिक रूप से उत्तर भारत की पार्टियों और शासकों के लिए दक्कन का अभियान हमेशा मुश्किल रहा है। मध्य काल में मुगल शासकों के लिए भी दक्कन की चुनौती हमेशा रही तो अंग्रेज, पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी सबने भारत का अपना अभियान दक्कन से शुरू किया लेकिन किसी का साम्राज्य दक्कन में ज्यादा फला-फूला नहीं।

सबसे सफल औपनिवेशिक ताकत यानी ब्रिटिश राज भी गंगा के मैदानी इलाकों में ही समृद्ध हुआ। सतपुड़ा के घने जंगलों और विंध्य पर्वत के दक्षिण में उनको भी नाकों चने चबाने पड़े। आजादी के बाद शुरुआती कुछ दिनों तक कांग्रेस के सामने दक्षिण की चुनौती नहीं रही लेकिन जब चुनौती शुरू हुई तो एक एक करके दक्षिणी राज्यों से कांग्रेस के पांव उखड़ते गए। भारतीय राजनीति में अभी भाजपा केंद्रीय ताकत है लेकिन दक्षिण में कर्नाटक को छोड़ कर कहीं भी उसका मजबूत आधार नहीं बन सका है।

कह सकते हैं कि भाजपा ने इससे पहले कभी भी दक्षिण को लेकर बहुत गंभीरता नहीं दिखाई थी और बहुत सुनियोजित अभियान नहीं चलाया था। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी की भाजपा ने कभी सोचा ही नहीं कि उनको दक्षिण में या पूर्वोतर भारत में भी अपना विस्तार करना चाहिए। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भाजपा ने पहले पूर्वोत्तर की दीवार गिराई। कोई न कोई उपाय करके पूर्वोत्तर के राज्यों में भाजपा का संगठन बनवाया और सरकार भी बनाई।

असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और मणिपुर जैसे राज्यों में भाजपा ने लगातार दूसरी बार अपनी सरकार बनाई तो मेघालय और नगालैंड में सहयोगी पार्टियों के साथ सरकार में शामिल हुई। सिक्किम में भी भाजपा की सहयोगी पार्टी सरकार में है। एक मिजोरम को छोड़ कर बाकी सभी राज्यों में भाजपा एक मजबूत राजनीतिक ताकत है। उत्तर और पश्चिम में पहले से भाजपा का मजबूत जमीनी आधार था। सो, पूरब, पश्चिम और उत्तर के बाद भाजपा अब दक्षिण की ओर से चली है। वह दक्षिणायन हो रही है।

सवाल है कि क्या दक्षिणावर्त भाजपा अपने अभियान में कामयाब होगी? क्या वह गंगा और नर्मदा के किनारे से निकल दक्कन के विशाल पठार चढ़ पाएगी? सतपुड़ा के घनों जंगलों को पार करना क्या भाजपा के लिए संभव हो पाएगा? एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या भाजपा इस बार के लोकसभा चुनाव में दक्षिण विजय करके वास्तविक अर्थों में पूरे देश की पार्टी बन पाएगी?

इन सवालों के जवाब आसान नहीं हैं क्योंकि भाजपा के लिए दक्षिण की राजनीति भी उलझी हुई है और सामाजिक व सांस्कृतिक स्थितियां भी वैसी नहीं हैं, जैसी उत्तर या पूरब और पश्चिम में उसे मिली हैं। उसे दक्षिण की सामाजिक व सांस्कृतिक स्थितियों के साथ सामंजस्य बनाना है या मौजूदा सामाजिक व सांस्कृतिक विमर्श के बरक्स एक नया विमर्श खड़ा करना है। दक्षिण की सामाजिक व सांस्कृतिक धरातल पर दोनों पैर टिका कर खड़े हुए बगैर भाजपा के लिए राजनीतिक जमीन को उर्वर बनाना आसान नहीं होगा।

आमतौर पर भाजपा के दक्कन के अभियान को राजनीतिक नजरिए से देखा जा रहा है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। चूंकि भाजपा ने ऐसे राजनीतिक दांव चले हैं कि उनसे नजर नहीं हटती है और सारी व्याख्या उसी के ईर्द गिर्द घूमने लगती है। भाजपा ने कर्नाटक में, जहां उसकी अपनी जमीन मजबूत है वहां राज्य की एकमात्र प्रादेशिक पार्टी जेडीएस से तालमेल कर लिया। भाजपा लिंगायत तो जेडीएस वोक्कालिगा वोट की राजनीति करती है। इसी तरह आंध्र प्रदेश में, जहां वह एक फीसदी वोट की पार्टी है वहां उसने तेलुगू देशम पार्टी और जन सेना पार्टी से तालमेल कर लिया।

तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू कम्मा हैं तो जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण कापू समुदाय से आते हैं। राज्य की दो बड़े जातीय समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टियां भाजपा के साथ हैं। तमिलनाडु में भाजपा का तालमेल अन्ना डीएमके से खत्म हो गया है लेकिन वह तमिल मनीला कांग्रेस के साथ साथ टीटीवी दिनाकरण और ओ पनीरसेल्वम से तालमेल कर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा दक्षिण के राज्यों में जो राजनीतिक दांव चल रही है वह अपनी जगह है लेकिन उसने राजनीतिक पहल करने से पहले सामाजिक व सांस्कृतिक धरातल पर भी काम शुरू कर दिया था। हो सकता है कि अभी इसका बड़ा राजनीतिक असर नहीं दिख रहा हो लेकिन काशी-तमिल संगम के जो कार्यक्रम शुरू हुए हैं उनका असर आने वाले समय में दिखाई देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ समय पहले ही हिंदुओं की सबसे पवित्र नगरी काशी को तमिल के साथ जोड़ना शुरू किया था। यह तमिलनाडु में नई जमीन तोडने की तरह था। ध्यान रहे तमिलनाडु का जनमानस व्यापक रूप से ईवी रामास्वामी नायकर पेरियार और द्रविडियन आंदोलन से बना हुआ है। सनातन विरोध की गहरी जड़ें वहां स्थापित हैं। सामाजिक स्तर पर जातियों की राजनीति उत्तर भारत के मुकाबले बहुत पहले से जमी हुई है।

आरक्षण की सीमा 34 साल से 65 फीसदी से ऊपर है। कह सकते हैं कि सनातन विरोध और पिछड़ी जातियों के वर्चस्व की राजनीति स्थापित है। ऊपर से हिंदू विरोध और तमिल की सर्वोच्चता का भाव भी उत्तर भारत की पार्टियों के लिए मुश्किल पैदा करने वाला है। लेकिन याद करें कितना पहले नरेंद्र मोदी ने अमेरिका की एक सभा में तमिल को संस्कृत से भी पुरानी भाषा बता कर उसकी महत्ता का गुणगान किया था। सो, चाहे भाषा की बाधा तोडने का मामला हो या सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श में अपना पक्ष उजागर करना होगा या धर्म के मामले में सनातन बनाम सनातन विरोध का विमर्श बनवाना हो, हर जगह भाजपा ने अपने को खड़ा किया है।

भाजपा की सक्रियता से राज्य में सत्तारूढ़ डीएमके नेता अतिशय सजग हो गए और उन्होंने अपनी रक्षा में आक्रामक होकर भाजपा पर हमला शुरू कर दिया। ऐसे भी कह सकते हैं कि वह भाजपा के जाल में फंस गई और उसके तय किए गए एजेंडे पर प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। डीएमको को अन्ना डीएमके से लडना है, जिसका सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक एजेंडा एक जैसा है लेकिन उससे लडने की बजाय डीएमके ने भाजपा के बनाए विमर्श से लडना शुरू कर दिया अन्यथा कोई कारण नहीं था कि उदयनिधि स्टालिन और ए राजा सनातन को बीमारी बता कर उसे खत्म करने का संकल्प जताते।

सनातन का एजेंडा मुख्य विपक्षी पार्टी अन्ना डीएमके का नही था, बल्कि हाशिए पर की पार्टी भाजपा का था। लेकिन अपनी गलती से डीएमके ने भाजपा का पैदा किया गया विमर्श केंद्र में ला दिया। अपना पिछला प्रदर्शन दोहराने के दबाव में डीएमके ने भाजपा को दुश्मन नंबर एक बना दिया, जिसका सीधा फायदा भाजपा को होगा। एक प्रतिष्ठित मीडिया समूह के सर्वेक्षण में भाजपा को 20 फीसदी वोट मिलने की संभावना जताई गई है। केरल की राजनीति को ध्यान में रख कर भाजपा ने ईसाई समुदाय को अपने साथ जोडने का अभियान शुरू किया। नरेंद्र मोदी के चर्च के दौरे बढ़ गए और वे वेटिकन के पोप का आशीर्वाद भी ले आए। ईसाई और मुस्लिम समुदाय के बीच की फॉल्टलाइन को बढ़ा कर भाजपा लाभ लेने की कोशिश में है। उसको लग रहा है कि हिंदू उसका साथ देंगे और अगर इसाइयों का का एक समूह उसके साथ आया तो एक मजबूत ताकत बन सकती है। ध्यान रहे अभी वह 11 फीसदी वोट की पार्टी है लेकिन यह चुनाव उसके बहुत मजबूत होने का चुनाव हो सकता है। तेलंगाना भी भाजपा की उम्मीदों का प्रदेश है, जहां उसे ओवैसी की पार्टी के रूप में एक रेडिमेड दुश्मन उपलब्ध है। यह नहीं कहा जा सकता है कि इसी चुनाव में भाजपा जीत जाएगी या बड़ी पार्टी हो जाएगी लेकिन यह तय है कि दक्कन के पठार उसके लिए बहुत दुर्गम नहीं रह जाएंगे।

सू- दोकू क्र.110

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.109 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

चुनाव क्या सिर्फ औपचारिकता ?

अजीत द्विवेदी

तो क्या यह मान लिया जाए कि लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे तय हैं और चुनाव एक औपचारिकता भर है? क्या देश के लोगों ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को तीसरी बार शासन का मौका देने का फैसला कर लिया है? कम से कम प्रधानमंत्री की बातों से तो ऐसा ही लग रहा है। आमतौर पर चुनाव नतीजों के बारे में इस तरह का सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि कौन जीत रहा है और किसकी हार हो रही है। इस मायने में चुनाव भी क्रिकेट की तरह गौरवशाली अनिश्चितताओं का खेल है। कई नेताओं ने सार्वजनिक रूप से और अनौपचारिक बातचीत में स्वीकार किया है कि जिस समय वे चुनाव जीतने के सबसे ज्यादा भरोसे में होते हैं उस बार चुनाव हार जाते हैं और जब लगता है कि कांटे का मुकाबला है तो चुनाव जीत जाते हैं।

यह व्यक्तियों और पार्टियों दोनों के मामले में सही है। पिछले ही साल के विधानसभा चुनावों मे कांग्रेस छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त थी तो बीआरएस को लग रहा था कि वह तेलंगाना हार ही नहीं सकती है। इन राज्यों के नतीजे सबको पता हैं।

अगर लोकसभा चुनावों की बात करें तो 2004 के नतीजों का सबको पता है। जैसे अभी भाजपा के नेता अगली सरकार का एजेंडा तय कर रहे हैं उसी तरह 2004 में भी अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के मंत्री अगली सरकार का एजेंडा तय कर रहे थे। 'देयर इज नो ऑल्टरनेटिव' यानी 'टीना' फैक्टर के आधार पर कहा जा रहा था कि अटल बिहारी वाजपेयी के मुकाबले कोई नहीं है।

अंग्रेजी के बड़े पत्रकार लच्छेदार जुमलों में बता रहे थे कि 'सोनिया इज द ऑल्टरनेटिव सो देयर इज नो ऑल्टरनिव' यानी 'सीटा बनाम टीना' फैक्टर की चर्चा थी। दिसंबर 2003 में चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए थे, जिनमें से राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा जीती थी और उससे बनी लहर का इस्तेमाल करने के लिए वाजपेयी सरकार ने समय से पहले मई 2004 में लोकसभा चुनाव कराने का फैसला किया। 'शाइनिंग इंडिया' और 'फीलगुड' के मुद्दे पर चुनाव लड़ा गया और उसका भी नतीजा सबको पता है।

ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी को इस राजनीतिक इतिहास या चुनावी अनिश्चितताओं का अंदाजा नहीं है। लेकिन कई बार असीमित सत्ता और लोकप्रियता भ्रम पैदा करती है। तकनीक, आंकड़ों और मोदी के निजी करिश्मे से भाजपा की टीम ऐसा नैरेटिव बना रही है कि हैरानी नहीं होगी अगर सचमुच भाजपा नेता इस भरोसे में बैठे हों कि चुनाव जीत रहे हैं।

अगर ऐसा भरोसा है तो यह अति आत्मविश्वास नहीं, बल्कि उससे आगे की चीज है। चुनाव प्रचार में किसी पार्टी द्वारा जीत का दावा करने और मंत्रिपरिषद की बैठक करके अपनी जीत की गारंटी बताने के बीच के फर्क को समझने की जरुरत है। पार्टियां चुनाव प्रचार में बड़ी से बड़ी जीत का दावा करती हैं, भरोसा जताती हैं, आत्मविश्वास दिखाती हैं लेकिन जब सरकार मंत्रिपरिषद की बैठक करके अगली सरकार का एजेंडा तय किया जाए तो उसे आत्मविश्वास नहीं कहेंगे। यह अति आत्मविश्वास से भी आगे की चीज है।

तो क्या यह माना जाए कि प्रधानमंत्री मोदी में अहंकार आ गया है और वे मतदाताओं को फॉर गारटेंड मान रहे हैं? अगर ऐसा है तो फिर वोट मांगने जाने की भी क्या जरुरत है या मतदाता मालिकों के आगे सिर झुकाने, उन्हें अपना परिवार बताने और उनसे तीसरा मौका देने का अनुरोध करने की क्या जरुरत है? जाहिर है असलियत वह नहीं है, जो दिख रही है। भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी जो दिन-रात एक किए हुए हैं वह अलग कहानी बयां कर रही है। उससे ऐसा लग रहा है कि तीसरी बार की जो मुश्किलें होती हैं उनका सामना पार्टी कर रही है।

पार्टी के रणनीतिकारों को चुनौतियों का अंदाजा है। भाजपा के हर उम्मीदवार के सामने विपक्ष का एक साझा उम्मीदवार नहीं आए इसके लिए दूसरी पार्टियों के नेताओं को खुले दिल से भाजपा में आमंत्रित किया जा रहा है और उनकी हैसियत से हिसाब से राज्यसभा दी जा रही है या लोकसभा की टिकट दी जा रही है।

भाजपा लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारूः माहरा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि केन्द्र सरकार के ईशारे पर लोकसभा चुनाव से पहले मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के खाते सीज कर चुनाव को प्रभावित किया गया जिससे साफ होता है कि भाजपा लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारू है।

आज यहां कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए करन माहरा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हालात पूरे देश में ऐसे हालात पैदा कर दिये गये है जिससे भारत की लोकतांत्रिक छवि खराब हो रही है। क्योंकि लोकतंत्र के लिए भारत को जाना जाता है। जिसका जिन्दा उदाहरण गत दिवस दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को उनके पद में रहते हुए ईडी के द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। भाजपा के इशारे पर ईडी, सीबीआई विपक्षी नेताओं व उनके परिवार को अपने कार्यालयों में घंटो बैठाकर उनका उत्पीडन किया जाता है। चुनाव मैदान में सबको समान अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सात साल पुराने केस में जिस प्रकार कांग्रेस को परेशान किया जा रहा है वह सबके सामने है और मामला सिर्फ 14 लाख 40 हजार रूपये का है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में कांग्रेस ने पूरे देश में 199 करोड रूपये खर्च किया था जिसका रिर्टन 14 लाख 40 हजार रूपये भरने में 40 से 45 दिन की देरी हो गयी जिसपर ईडी ने 109 प्रतिशत पैनेल्टी लगाकर 202 करोड रूपये पैनल्टी लगाकर कांग्रेस के खाते सीज कर दिये। भाजपा का ऑपरेशन लोटस गतिमान है जिसके अनेक रूप सामने आ रहे है विपक्षी नेताओं को ईडी, सीबीआई से प्रताडित कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के इशारे पर कांग्रेस के खाते सीज कर चुनाव प्रभावित किया जा रहा है। इससे तो साफ हो गया है कि भाजपा लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारू है।

सात किलो चांदी व 90 हजार की नगदी सहित एक पकड़ा

हमारे संवाददाता

टिहरी। आचार सहिता के दौरान बिना अनुमति के सात की चांदी व 90 हजार की नगदी ले जा रहे एक व्यक्ति को एसएसटी टीम व पुलिस ने पकड़ लिया है। जिसके बाद पुलिस द्वारा बरामद चांदी व नगदी को जब्त कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

मामला चम्बा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार आचार संहिता के चलते पुलिस व एसएसटी टीम द्वारा बीते रोज क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान संयुक्त टीम ने कृष्णा तिराहा चम्बा में एक वेगनार कार को रोककर चेक किया गया तो वाहन से एक बैग से करीब 7.088 कि. ग्रा. चांदी जिसका बाजारी मूल्य करीब 5,56,408/- रुपए और 90,000/- रुपए की नकदी बरामद हुई। वाहन चालक से नाम पता पूछते हुए उक्त नकदी और चादीं के संबंध में जानकारी की गई तो चालक ने अपना नाम पंकज कुमार गुप्ता पुत्र सुरेंद्र कुमार गुप्ता निवासी 6 नंबर पुलिया रिंग रोड मसूरी बाय पास रोड, थाना रायपुर देहरादून बताया। वाहन से बरामद आभूषण और नकदी के संबंध में चालक पंकज कुमार गुप्ता द्वारा संतोषजनक जवाब न देने और मौके पर कोई प्रामाणिक साक्ष्य भी नहीं दिखा पाया। जिस पर मौके पर पंकज गुप्ता को कारण बताकर कि बिना उचित दस्तावेज के आपके द्वारा लोकसभा चुनाव 2024 के दिशा निर्देश के विरुद्ध नकदी और आभूषण लाई जा रही है, जिसका आगामी चुनाव में दुष्प्रयोग होने की संभावना न हो चालक को कारण बताकर मौके पर ही बरामद आभूषण और नकदी जब्त कर आवश्यक कार्यवाही की गई है। बरामद चांदी का मुल्य पांच लाख से अधिक बताया जा रहा है।

होली, झण्डा मेला व लोकसभा चुनाव में सुरक्षा को लेकर पुलिस मुख्यालय सर्तक

संवाददाता

देहरादून। होली पर्व, मां पूर्णागिरी मेला, झण्डा मेला व लोकसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस मुख्यालय सर्तक दिखायी दिया और सभी जनपदों के प्रभारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां होली पर्व एवं माँ पूर्णागिरी मेले, झण्डा मेले, आगामी लोकसभा निर्वाचन, 2024 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत ए. पी. अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड द्वारा पुलिस मुख्यालय में वीडियो कान्फ्रेन्स के माध्यम से पुलिस महानिरीक्षक, अभिसूचना, परिक्षेत्र प्रभारियों, समस्त वरिष्ठ/पुलिस अधीक्षक, उत्तराखण्ड, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ एवं पुलिस अधीक्षक, रेलवेज के साथ बैठक आहूत की गयी। बैठक में 24 मार्च 2024 को होलिका दहन एवं 25 मार्च 2024 को होली पर्व के दृष्टिगत पर्व को शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराये जाने, विवादित स्थलों आदि के सम्बन्ध में जनपदों में शान्ति समितियों की बैठकें आयोजित कर अग्रेत्तर आवश्यक कार्यवाही किये जाने, पर्याप्त मात्रा में पुलिस/पीएसी बल नियुक्त करने, विशेषकर मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरते जाने, पूर्व में घटित घटनाओं का भी संज्ञान लेकर सतर्कता बरते जाने एवं आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत भी उक्त पर्व पर विशेष सतर्कता बरते जाने हेतु निर्देशित करते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द एवं

❑सभी जनपद प्रभारियों को दिये दिशा निर्दश

शान्ति/कानून व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिये गये। 26 मार्च 2024 से जनपद चम्पावत में मनाये जाने वाले माँ पूर्णागिरी मेले में पर्याप्त संख्या में पुलिस/पीएसी बल का व्यवस्थान करने, यातायात प्लान तैयार कर उसके अनुरुप कार्यवाही कराये जाने, पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने, पूर्व में घटित घटनाओं का संज्ञान लेकर विशेष सतर्कता बरते जाने तथा पुलिस मुख्यालय एवं अभिसूचना मुख्यालय द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों का गहनता से अवलोकन कर उनके अनुरुप कार्यवाही सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये गये। इसके साथ ही 30 मार्च 2024 से जनपद देहरादून में मनाये जाने वाले झण्डे मेले में पर्याप्त संख्या में पुलिस/पीएसी बल का व्यवस्थान करने, यातायात प्लान तैयार कर उसके अनुरुप कार्यवाही कराये जाने, पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने, पूर्व में घटित घटनाओं का संज्ञान लेकर विशेष सतर्कता बरते जाने तथा पुलिस मुख्यालय एवं अभिसूचना मुख्यालय द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों का गहनता से अवलोकन कर उनके अनुरुप कार्यवाही सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि 16 मार्च 2024 से आदर्श आचार संहिता के प्रभावी होने के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों का स्वयं गहनता से अवलोकन कर निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। सभी चैक पोस्ट, एसएसटी/एफएसटी की निरन्तर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये गये।

चम्बा पुलिस ने किया एक वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता

टिहरी। चम्बा पुलिस ने चैक बाउंस मामले में फरार चल रहे वारंटी को गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चम्बा पुलिस द्वारा गैर जमानती वारंट की तामील हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत आज वारंटी पवन सकलानी पुत्र चेतराम निवासी बद्रीश कॉलोनी थाना नेहरू कॉलोनी देहरादून को चैक बाउंस के मामले में बद्रीश कॉलोनी से गिरफ्तार किया गया। वारण्टी को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

कार से हजारों रुपयों से भरा पर्स चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने कार से पर्स चोरी कर लिया। जिसमें आठ हजार रूपये नगद व जरूरी कागजात थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहस्त्रधारा रोड निवासी हरीश कुमार शर्मा ने उसने अपनी कार घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि कार में रखा पर्स गायब था। पर्स में आठ हजार रूपये व जरूरी कागजात पडे थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने किया लाखों की चोरी का खुलासा, चोरी के सामान सहित एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने लाखों रूपये की चोरी का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के जेवरात व नगदी बरामद कर ली। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए एसपी सिटी प्रमोद कुमार ने बताया कि 13 मार्च को थाना राजपुर क्षेत्रान्तगर्त जाखन कैनाल रोड के पास दुर्गा विहार में रात के समय लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव गर्ग पुत्र वीरेंद्र नाथ गर्ग निवासी दुर्गा विहार केनाल रोड के बंद घर में चोर द्वारा चोरी की घटना को अजांम देते हुए घर से गहने/आभूषण व नगदी चोरी कर लिये थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटना के खुलासे के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया। घटनास्थल व आसपास आने जाने वाले मार्गो पर लगे लगभग 200 कैमरे सीसीटीवी फुटेज चेक किया गया, साथ ही घटना में शामिल आरोपियों के संबंध में जानकारी एकत्रित की गयी। पुलिस द्वारा किये गए प्रयासों से पुलिस टीम द्वारा घटना में शामिल नासिर को आजाद कॉलोनी आईएसबीटी पटेल नगर से गिरफ्तार किया गया, आरोपी के कब्जे से घटना में चोरी की गई लगभग 05 लाख रूपये अनुमानित कीमत की ज्वैलरी बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया कि उसके पास से बरामद ज्वैलरी को उसके द्वारा जाखन कैनाल रोड स्थित एक बंद घर से चोरी किया गया था, जिसे वह बेचने की फिराक में घूम रहा था। एसपी सिटी नं बताया कि गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है, जिस पर चोरी/लूट/डकैती के डेढ दर्जन मुकदमें दर्ज है। नासिर द्वारा किसी घटना को अजांम देने से पूर्व घटनास्थल की अच्छी तरह से रैकी की जाती है तथा घटना स्थल के आस-पास लगे कैमरों से बचने के लिये वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग किया जाता है। घटना को अंजाम देने से पहले नासिर सिटी बस/विक्रम के माध्यम से घटना स्थल से एक से डेढ किमी पहले उतर जाता है तथा पूर्व में चिन्हित किये गये वैकल्पिक मार्गों, जगंल/नालों से होते हुए घटनास्थल पर जाकर घटना को अंजाम देता है। राजपुर क्षेत्र में घटना को अंजाम देने से पूर्व भी नासिर द्वारा घटना स्थल तक पहुँचने के लिये नाले का इस्तेमाल किया था तथा घटना को अंजाम देने के लिये 05 घंटे तक उसी नाले में छिपा रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एक नजर

सुप्रीम कोर्ट ने बीआरएस नेता कविता को जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जाने को कहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के कविता को राहत देने से इनकार कर दिया। कविता की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल पेश हुए। सिब्बल ने अनुरोध किया कि इस मुवक्किल को वापस हाई कोर्ट न भेजा जाए। सिब्बल ने कहा कि, केवल एक अनुरोध, कृपया मुझे उच्च न्यायालय वापस जाने के लिए न कहें। देखिए हमारे देश में क्या हो रहा है। सभी बयान अनुमोदकों के हैं, जो कुछ हो रहा है उससे मैं बहुत परेशान हूं। कोर्ट ने कहा कि, भावुक मत होइए, हम विजय मदनलाल की चुनौती सुन रहे हैं। जमानत के मामले में जितना उचित है, हम बहुत स्पष्ट हैं कि आपको ट्रायल कोर्ट से गुजरना होगा। हम सभी स्पष्ट हैं कि केवल इसलिए कि यह एक राजनीतिक व्यक्ति है, हम राहत नहीं दे सकते। अदालत ने के कविता को यह कहते हुए राहत के लिए ट्रायल कोर्ट जाने का निर्देश दिया कि मामला एक राजनीतिक व्यक्ति से संबंधित है और ऐसे मामले में प्रथा एक समान है। बीआरएस नेता को ट्रायल कोर्ट से संपर्क करने का आदेश देते हुए शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि यदि जमानत याचिका दायर की जाती है, तो उस पर शीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। सिब्बल ने कविता का बचाव करते हुए कहा कि, एक बात कहु क्या? मुझे आशा है कि आप बुरा नहीं मानेंगे। इस न्यायालय का इतिहास लिखा जाएगा और यह कोई स्वर्णिम काल नहीं होगा। न्यायमूर्ति खन्ना ने जवाब देते हुए कहा, चलो देखते हैं।

पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे आप मंत्री आतिशी व सौरभ भारद्वाज को हिरासत में लिया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किए जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ शुक्रवार को विरोध -प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस ने कैबिनेट मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने दोनों मंत्रियों को पुलिस की एक बस में बिठा दिया। आईटीओ पर पार्टी के कई नेता और समर्थक आप और भाजपा के कार्यालयों के पास विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इलाके में धारा 144 लागू होने का हवाला देते हुए पुलिस ने उन्हें वहां से चले जाने के लिए कहा। आप के समर्थकों ने भाजपा नीत केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर अवरोध क लगा दिए और इसे यातायात के लिए अवरुद्ध कर दिया है।

मंगलौर व बद्रीनाथ विधानसभा सीट पर जल्द उपचुनाव कराने की मांग

हमारे संवाददाता

देहरादून। मंगलौर व बद्रीनाथ विधानसभा सीट पर जल्द उपचुनाव कराने की मांग को लेकर आज कांग्रेसी प्रतिनिधि मंडल द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी पुरूषोत्तम को सौंपे गये ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेसी प्रतिनिधि मंडल ने कहा है कि स्व. सरवत करीम अंसारी जो की 33-मंगलौर विधानसभा क्षेत्र से 5वीं उत्तराखंड विधान सभा के लिए विधायक चुने गए थे उनके चुनाव को काजी निजामुद्दीन द्वारा उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी, जिसे सरबत करीम अंसारी के इंतकाल के बाद वापस लेने की एप्लीकेशन नवंबर महीने में ही डाल दी गई थी। दसौनी ने बताया कि उस पर उच्च न्यायालय का आदेश बीते रोज जारी कर दिया गया जिसमे याचिका वापस लेने की बात स्वीकार कर ली गई है। कहा कि क्योंकि सरवत करीम अंसारी

का निधन 30.10.2023 को हो चुका है, उनके निधन के परिणामस्वरूप, आर. पी. अधिनियम, 1951 की धारा 150 के अनुसार एक आकस्मिक रिक्ति उत्पन्न हुई, जिसे धारा 151-ए के अनुसार 6 महीने के भीतर यानी 30 अप्रैल, 2024 के भीतर भरा जाना आवश्यक है।

प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से निवेदन किया कि मंगलौर और बद्रीनाथ निर्वाचन क्षेत्र के लिए जल्द से जल्द उपचुनाव कराया जाए। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को बताया कि 30 अप्रैल 2024 को स्व. सरबत करीम अंसारी के इंतकाल हुए 6 महीने का समय पूरा हो जाएगा, उक्त निर्वाचन क्षेत्र जिसका 30.10.2023 से कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, को उत्तराखंड विधानसभा में अपना निर्वाचित प्रतिनिधि दिलवाने का कष्ट करें। प्रतिनिधि मंडल में उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (संगठन) मथुरादत्त जोशी, मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी, महामंत्री (प्रशासन) महेंद्र सिंह नेगी, राजनीतिक/मीडिया सलाहकार (मा अध्यक्ष) अमरजीत सिंह, प्रदेश प्रवक्ता शीशपाल सिंह बिष्ट शामिल रहे।

दून अस्पताल से एक्टिवा चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दून चिकित्सालय के गेट पर खडी एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुडबुडा मौहल्ला निवासी आनन्द कुमार जैन ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह दून चिकित्सालय में किसी को देखने के लिए गया था तथा उसने अपनी एक्टिवा गेट पर एक्टिवा खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नशीले इंजेक्शनों सहित दो नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में नशा तस्करी कर रहे दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया हैं। जिनके कब्जे से 22 नशीले इंजेक्शन ट्रामाडोल बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना पिरान कलियर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले सामान के खेप सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को टाटा मोटर्स रहमतपुर रोड के पास दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 22 नशीले इंजेक्शन ट्रामाडोल बरामद किये। थाने लाकर की गयी पूछताछ में उन्होने अपना नाम शादाब पुत्र शहजाद व साहिब पुत्र शहजाद निवासी वार्ड नंबर 5 नई

बस्ती कलियर थाना पिरान कलियर जनपद हरिद्वार बताया।

पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

आचार संहिता के उल्लंघन पर आबकारी निरीक्षक पर मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। आचार संहिता के दौरान अपने कार्यक्षेत्र में अनुपस्थित रहने के आरोप में आबकारी निरीक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आचार संहिता के उल्लंघन पर भिकियासैंण के आबकारी निरीक्षक बलजीत सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि आचार संहिता के दौरान आबकारी निरीक्षक अपने कार्यक्षेत्र से अनुपस्थित है। प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी की शिकायत पर आबकारी आयुक्त ने आबकारी निरीक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की संस्तुति की है।

बताया जा रहा है कि आचार संहिता के दौरान आबकारी निरीक्षक अपने कार्यक्षेत्र से अनुपस्थित रहे। जिसकी शिकायत जिला आबकारी अधिकारी मनोज कुमार उपाध्याय ने आबकारी आयुक्त देहरादून से की थी। मामले की गम्भीरता को देखते हुए आबकारी आयुक्त ने प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी को मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिये। वहीं सीओ विमल प्रसाद के अनुसार पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया है।

NORTH POINT CHILDREN'S ACADEMY

(AFFILIATED TO COUNCIL FOR I.C.S.E(10+2), NEW DELHI)

Registration & Admissions Open for Academic Session 2024-25

FACULTY REQUIRED:

PRT (All Subjects,LKG onwards) – 6
(TET/UTET/CUET Qualified)

50, Tapkeshwar Road, Garhi, Dehradun Cantt- 248003
Contact: 0135-2559577, 9837203113
Email: northpointdehradun@gmail.com **Web:** www.northpointdoon.org

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।